क

आक्रमण!

लेखकः गीता धर्मराजन

चित्रांकनः तपस गुहा

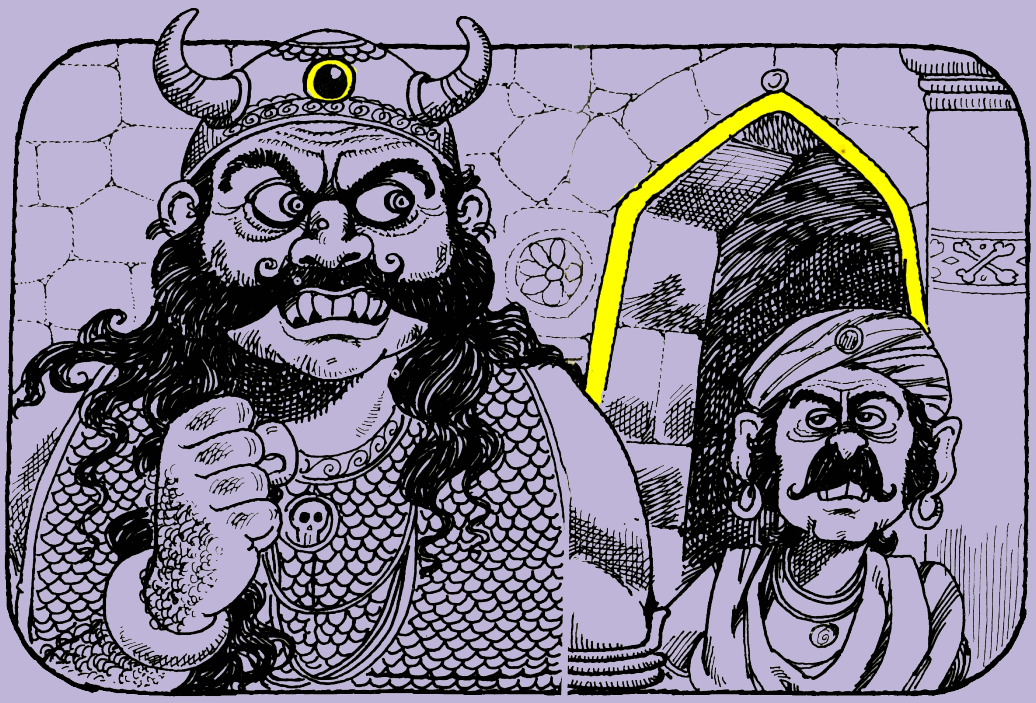

यह किताब

....

की है।

dFkk ds fo"k; esa

कथा एक लाभ निरपेक्ष संस्था है जिसकी स्थापना 1988 में हुई। शिक्षा और साहित्य के क्षेत्र में कथा का अनूठा योगदान है। कथा झुग्गी-झोपड़ी, बस्तियों और सरकारी स्कूलों में काम करती है ताकि हर बच्चा मज़े के लिए और अच्छी तरह पढ़ सके। महिलाओं और अध्यापिकाओं के द्वारा कथा बच्चों में उनकी प्रतिभा को उजागर करने में मदद करती है।

हमारी किताबें, वर्कशॉप और शिक्षण केन्द्र, कहानी के माध्यम से विभिन्न संस्कृतियों को जोड़ती हैं। कथा का अनुवाद के क्षेत्र में किया हुआ काम भारतीय प्रकाषन के इतिहास में अनूठा माना जाता है। इसे *इकोनोमिक टाइम्स* ने इन शब्दों में सराहा है, "A unique and special moment in Indian publishing history ..."

कथा की पुस्तकों को विश्व स्तर पर ख्याति मिली है। अंतर्राष्ट्रीय ज्युरी द्वारा प्रतिष्ठित एस्ट्रिड लिंडग्रिन पुरस्कार के लिए भी कथा का नामाँकन किया गया है। बाल साहित्य के क्षेत्र में यह पुरस्कार विश्व में सबसे बड़ा माना जाता है।

कथा नवीन एवं अनुभवी लेखकों, अनुवादकों और चित्रकारों के साथ काम करती है।

क्या आपको बच्चों के लिए लिखना, चित्र बनाना, अनुवाद करना अच्छा लगता है? तो अपनी प्रतिलिपि इस ईमेल आई डी पर भेजें: editors@katha.org, और बनें कथा परिवार का हिस्सा।

"[Katha] ... an educational jewel in India's crown."
— **Naoyuki Shinohara, Deputy Managing Director, International Monetary Fund**

"Katha stands as an exemplar for all the creative projects around the world that grapple with ordinary and dramatic misery in cities." — **Charles Landry, The Art of City Making**

"Katha has a real soft corner for kids. Which is why it … create[s] such gorgeous picture books for children."
— **Time Out**

"Katha's work is driven by the idea that children can bring change to their communities that is sustainable and real, just as the children do in [their books]." — **Papertigers**

आक्रमण!

लेखक: गीता धर्मराजन

चित्रांकन: तपस गुहा

KATHA

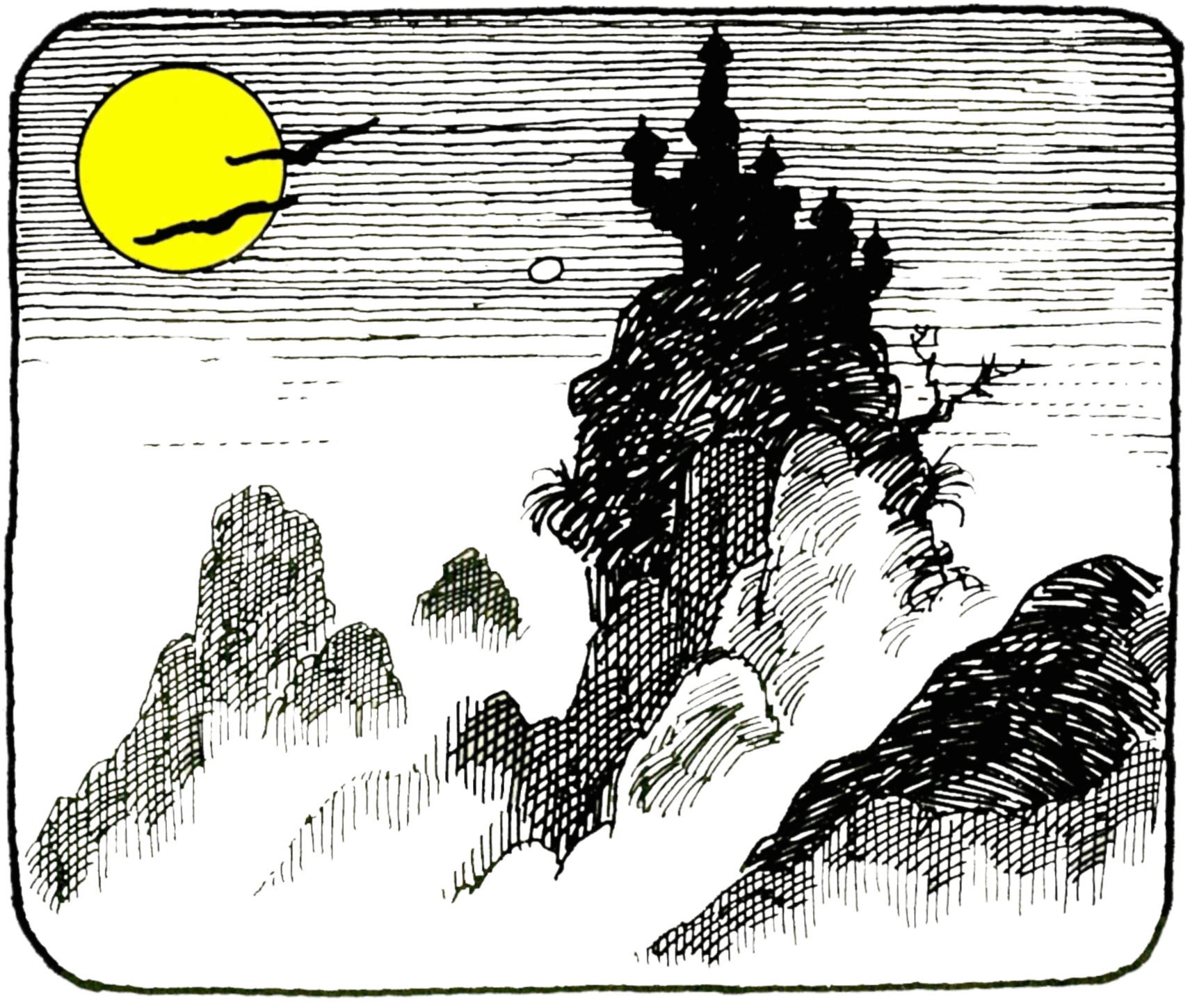

जून का महीना।
सुनसान पहाड़ों में
बसे किटाणुग्राम का
दुष्ट असुर, तोबाकाची,
गर्म आसमान के नीचे
चहलकदमी करता हुआ
दुनिया के विनाश की
नई–नई योजनायें बना
रहा था।

''मैं भारतवर्ष का राजा बनना चाहता हूँ!'' वह गुर्राया। 'जल्दी से कोई उपाय बताओ, किटाणुसुर वरना मरने के लिए तैयार हो जाओ।

दो हफ्तों के बाद, किटाणुसुर तोबाकाची के सामने था।

'राजा की जय हो! कृप्या मेरी योजना को ध्यान से सुनें। यह तो आप जानते ही हैं कि मनुष्य के शरीर का तीन–चौथाई भाग पानी से बना होता है।'

'पर उससे क्या?' तोबाकाची दहाड़ा।

''महाराज! भारतवर्ष के अधिकतर लोग पानी के प्रति बहुत लापरवाह होते हैं।'

'तो?'' तोबाकाची फिर से चीखा।

''भारतवासी नदियों की पूजा भी तो करते हैं। वे पवित्र नदियों में नहाकर अपने पाप धो डालते हैं। और तुम समझते हो कि वे पानी के महत्व को नहीं जानते?''

अब किटाणुसुर के मुस्कराने की बारी थी।

''महाराज, क्षमा चाहता हूँ पर क्या आपने कभी उनकी नदियों को ध्यान से देखा है? मरने वाले हर दस आदमियों में से सात लोग तो केवल गंदे–मैले पानी से होने वाले रोगों से मरते हैं।''

''अपने मायाजाल में फाँसकर मैं उन्हें यह मानने के लिए विवश कर सकता हूँ कि गंदा पानी ही उनके स्वास्थ्य के लिए अच्छा है,'' मायासुर बोला।

''गंदे तालाब और नदियों का अर्थ है भयंकर रोग और निश्चित मौत!'' किटाणुसुर हँसकर बोला।

''वाह! यह हुई न बात! सब अपने काम में लग जाओ और मुझे भारतवर्ष का राजा बनाओ,'' तोबाकाची ठहाके मार–मारकर हँसने लगा।

तोबाकाची को रोकना होगा! शीघ्र ही! क्यों न, तुम कोई उपाय जल्दी से इस पत्ते पर भेजो ––

P.O बॉक्स 326, जी.पी. ओ., नई दिल्ली 110013 तमाशा! के अगले अंक में हम विजेता का नाम और उसकी तस्वीर उसके द्वारा सुझाय गये तरकीब के साथ प्रकाशित करेंगे! अपना नाम, पता और उम्र भी ज़रूर लिखना। अंतिम तिथि 30 सितंबर 1994।

xhrk /kejkt u बच्चों के लिए कहानियाँ लिखना पसंद करती हैं। वह *टारगेट* पत्रिका और *पेन्सिलवेनिया* विश्वविद्यालय की पत्रिका *पेन्सिलवेनिया गज़ेट* की संपादक भी रह चुकी हैं। साहित्य एवं शिक्षा में किए गए इनके अद्वितीय योगदान के लिए इन्हें सन् 2012 में राष्ट्रीय सम्मान पद्मश्री से सम्मानित किया गया था।

rkil xgk बहुत ही छोटी आयु से किताबों का चित्रांकन करने का सपना देखा करते थे। दिल्ली विश्वविद्यालय से कॉमर्स में स्नातक प्राप्त करने के बाद, तापस ने बच्चों की किताबों का चित्रांकन करना शुरू किया। इन्होंने कई नामी पत्रिकाओं और प्रकाशन केन्द्रों के साथ चित्रकार के रूप में काम किया है।

किटाणुग्राम का दुष्ट असुर,
तोबाकाची, कर रहा है दुनिया के विनाश
की तैयारी और फैला रहा है गंदे पानी से
फैलने वाली जानलेवा बीमारी। तो क्या आप
हमारी मदद करेंगे तोबाकाची को रोकने
और दुनिया को बचाने में?